आज की मुरली पर विचार-सागर-मंथन ---------- Date: 18-07-14

आज मीठे-मीठे, प्यारे-प्यारे, अपकारीओ पर भी उपकार करने वाले, बाबा ने हम बच्चों को शिक्षा देते हुए कहा, बाप समान अपकारिओ पर भी उपकार करना सीखो, निंदक को भी अपना मित्र बनाओ.

हमारे पास अपकारी पर भी उपकार करने वाले बाप के दो एकजाम्पल हैं - एक हैं प्यारे-प्यारे शिवबाबा और दूसरे हैं ग्रेट-ग्रेट ग्रेंन्डफाधर, ब्रहमाबाबा. एक हैं जिसने निराकारी रहकर, विश्व की सर्व आत्माओं पर उपकार किया और दूसरे ने हमारे जैसा साकारी जीवन जीकर हमें अपकारी पर भी उपकार करना सिखाया.

कैसे शिवबाबा अपकारीओ पर उपकार किया?

बाबा ने आज की मुरली में बताया की हम बच्चों ने ही बाबा की सबसे ज्यादा ग्लानि की हैं, फिर भी बाबा ने हमको अपना बनाकर अपने पास रखा हैं.

इस बेहद के सृष्टि चक्र के ड्रामा अनुसार जब द्वापर से हम बच्चे, देह-अभिमान में आते हैं तो हमारे में आसुरी अवगुण आते जाते हैं और इसके कारण ही हम दुखी होते हैं. और दुखी आत्माये, दुख हर्ता - सुख कर्ता, बाप को याद करती हैं लेकिन उसके रुप-देश-काल को भूलने के कारण उसे पत्थरों में, नदीओं में और पहाडों पर जाकर ढूँढ़ती हैं. बाबा ने कहा मुख्य ग्लानि हैं की हम बच्चों ने बाबा को सर्वव्यापी समझा, जब की असूल में माया सर्वव्यापी हैं.

बाबा ने कहा, ऐसे तो विश्व की सर्व-आत्माओं ने बाप की ग्लानि की हैं लेकिन सबसे ज्यादा ग्लानि भारतवासीओ ने की हैं. फिर भी इस कल्याणकारी ड्रामा अनुसार बाप, भारत में ही आकर हमें (भारतवासीओ को) अपना बच्चा बनाकर,

हमें अपना, बाप का और इस सारी सृष्टि चक्र के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देकर, भारत की श्रेष्ठ भूमि पर स्वर्ग स्थापन करते हैं और हमें उसका मालिक बनाते हैं. इस तरह से बाबा हम अपकारी बच्चों पर बहुत बडा उपकार करते हैं, की सबसे ज्यादा ग्लानि करने वाले हम बच्चों को 21 जन्म सतयुग-त्रेता की बादशाही वर्षा के रुप में देते हैं.

इसे हमारे मुख से यही निकलता हैं - शुक्रिया बाबा तेरा पदमापदम शुक्रिया.

कैसे ब्रहमाबाबा ने अपकारीओ पर उपकार किया?

ब्रहमाबाबा के बारे में एक बात जो उनकी जीवन कहानी में हैं की बाबा की झोपड़ी के पास में एक सन्यासी रहता था और हर रोज बाबा को बहुत-बहुत गाली देता था, फिर भी बाबा हमेशा उसके लिए हर्षित मुख रहकर कहते थे, निंदा हमारी जो करें मित्र हमारा सो होये. ऐसे तो और कई एकजाम्पल ब्रहमाबाबा के लिए दे सकते हैं की ब्रहमाबाबा ने साकारमे ये करके दिखाया की कैसे अपकारीओ पर भी उपकार किया जाता हैं.

इसे समझ कर ब्रहमाबाबा के लिए यही निकलता हैं - वाह बाबा वाह.

बाबा का ज्ञान हमें सिखाता हैं की हमारे सामने कैसी भी आत्मा आये, उसके बहार के अवगुणों (आसुरी गुणों) को न देख उसे आत्मा के ऑरिजिनल गुण, शांत स्वरूप, सुख स्वरूप, आनंद स्वरूप और प्रेम स्वरूप को देखेंगे तो हमेशा उस आत्मा के प्रति हमारा रिस्पेक्ट ऊंचा ही रहेगा और हमारा नजरिया उस आत्मा प्रति ऊँच रहने से, उस आत्मा में भी परिवर्तन आ जायेगा और वह भी सुधर जायेंगे. इसे ही अपकारीओ पर भी उपकार करना कहा जाता हैं. ॐ शांति.

Please provide your feedback (+ve/-ve) to Atma Bhai – a.brahmin.soul@gmail.com .